सामना

epaper.hindisaama

बिछने लगी मेट्रो की पटरी

अमेरिका से आई विशेष मशीन

सामना संवाददाता / मुंबई

पटरी बिछाने के लिए महत्वपूर्ण मानी जानेवाली फ्लेश बट वेल्डिंग मशीन विशेष रूप से अंडर ग्राउंड मेट्रो की पटरी बिछाने के लिए अमेरिका से मंगाई गई है। इस अमेरिकन मशीन ने कल से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट स्टेशन से पटरी बिछाने की शुरुआत की है। गौरतलब है कि कुलाबा-बांद्रा-सीप्झ मेट्रो-३ कॉरिडोर पर हेड हार्डंड पटरी का उपयोग किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक फ्लेश बट वेल्डिंग मशीन से ३४० फ्लेश वॉल्टेज व ४२० बुस्ट वॉल्टेज का इस्तेमाल कर अलॉइंनिग, प्री-हिटिंग, फ्लेशिंग, फोरजिंग, स्ट्रीपिंग व एयर क्वेंचिंग इस प्रक्रिया का उपयोग कर पटरियों की वेल्डिंग की जाएगी। यह मशीन अमेरिका की मे. हॉलंड एलपी नामक कंपनी द्वारा तैयार किया गया है।

नवंबर में आएगी दूसरी मशीन

मेट्रो-३ योजना के अंतर्गत कुल दो फ्लेश बट वेल्डिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें से एक मशीन मुंबई में आ गई है, जबकि दूसरी मशीन के नवंबर अंत तक मुंबई आने की अपेक्षा है। एक स्वयंचलित मशीन होने से इसमें उचित दर्जे का वेल्डिंग होने के लिए सभी मापदंड पहले ही निश्चित किए गए हैं। ३५.५ किलोमीटर लंबे कॉरिडोर की वेल्डिंग ११ विभिन्न ठिकानों से करने की योजना है, ऐसी जानकारी मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के व्यवस्थापकीय संचालक रंजित सिंह देओल ने दी।

जापान से मुंबई पहुंच रही पटरी

मेट्रो-३ परियोजना के अंतर्गत के १०,७४० टन हेड हार्डंड पटरी की आवश्कता है। इनमें से ८,३६६ टन पटरी एमएमआरसीएल को प्राप्त हो चुकी है, जबकि अन्य पटरिया जल्द ही जापान से मुंबई पहुंच जाएंगी। फ्लेश बट वेल्डिंग मशीन की सहायता से १८ मीटर लंबे हेड हार्डंड पटरी की वेल्डिंग कर अखंड पटरी की जाएगी। इससे यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा करने को मिलेगी, ऐसी जानकारी प्रकल्प संचालक सुबोध कुमार गुप्ता ने दी है।